

**2101000102050036**  
**EXAMINATION FEBRUARY-MARCH 2024**  
**BACHELOR OF ARTS (FIRST YEAR)**  
**(SECOND SEMESTER) NON -NEP**  
**HINDI - III - LEVEL 5**  
**AADHUNIK HINDI KAVITA (KAVYA-SUDHA)**

[Time: As Per Schedule]

[Max. Marks:50]

**Instructions:**

1. Fill up strictly the following details on your answer book

- a. Name of the Examination: **BACHELOR OF ARTS (FIRST YEAR) (SECOND SEMESTER) NON-NEP**
- b. Name of the Subject: **HINDI - III – LEVEL 5 AADHUNIK HINDI KAVITA (KAVYA-SUDHA)**
- c. Subject Code No: **2101000102050036**

2. Sketch neat and labelled diagram wherever necessary.
3. Figures to the right indicate full marks of the question.
4. All questions are compulsory.

Seat No:

--	--	--	--	--	--

Student's Signature

**Q.1 निम्नलिखित वैकल्पिक प्रश्नों के सही उत्तर दीजिए ।**

**10**

1. कौन रातभर के श्रम से थक कर तेजहीन हो गयी ।
  - a) चाँद
  - b) तारे
  - c) चंद्रबाला
  - d) अंधकार
  
2. 'लोहे के पेड हरे होंगे' काव्य में किसके प्रति श्रद्धा प्रकट की गयी है?
  - a) देश
  - b) राष्ट्रीयता
  - c) प्रकृति
  - d) मानवता
  
3. 'भोर: एक लैंडस्केप' कविता में कवि ने किसके सपने देखे हैं?
  - a) नये युग
  - b) स्वतंत्रता
  - c) अमीरी
  - d) आनंदोल्लास

4. जंगल में कौन सी कन्या इस रास्ते से जा रही थी?

- a) दलित                      b) भील  
c) वणिक                      d) क्षत्रिय

5. सुमनजी ने कौन सी विदेश यात्राएँ की ?

- a) मास्को                      b) समरकंद  
c) ताशकंद                      d) उपर्युक्त सभी

**Q.2** 'तोडती पत्थर' कविता का काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

**13**

**अथवा**

भारत के अतीत के गौरवगान की अभिव्यक्ति 'भारत महिमा' में व्यक्त हुई स्पष्ट कीजिए ।

**13**

**Q.3** 'चुभते ही तेरा अरुण बान' काव्य में व्यक्त कवयित्री के विचारों को स्पष्ट कीजिए ।

**13**

**अथवा**

'प्रेत का बयान' काव्य में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए ।

**13**

**Q.4 (A)** टिप्पणी लिखिए ।

**7**

गिरिजाकुमार माथुर ।

**अथवा**

'वरदान माँगूँगा नहीं' कविता का केन्द्रीय विचार

"अंबर के आनन को देखो,  
कितने इसके तारे टूटे,  
कितने इसके प्यारे छूटे,  
जो छूट गए फिर कह मिले,  
पर बोलों टूटे तारों पर कब अंबर शोक मनाता है ।"

**अथवा**

"जग ने छिपा छिपाकर रखने लाख किया था जोग रतन पर गिर पडे  
फटी गुदडी से ये अमोल से लाख रतन"

\*\*\*\*\*